ISBN : 978-93-94279-68-1

प्रथम संसकरन : 2026

सर्वाधिकार © : लेखक

टंकन : डॉ. पराग किशोर सिंह

प्रकाशक : झारखण्ड झरोखा

दुकान न - डी.जी. 03
न्यू बिल्डिंग, न्यू मार्केट
रातू रोड, राँची
(झारखण्ड) पिन न. 834001

E-mail : jh.jharokharnc@gmail.com

मूल्य : 1495/-

SIBUBARAT (Panchpargania Epic) by
Rajkishore Singh "Bunduwar"

बिसइ–चिन्हाप

1. चिन्हाप पाला	–	006–254
2. देवथान पाला	–	255–325
3. परब पाला	–	326–390
4. पूजन पाला	–	391–478
5. कबि पाला	–	479–532
6. साहितकार पाला	–	533–605
7. सांसकिरतिक पाला	–	606–686
8. संसकार पाला	–	687–761
9. सांग' पाला	–	762–793

परिचय

नाम	:	राजकिशोर सिंह
पिता	:	स्व. राधागोविन्द सिंह
माता	:	स्व. राधारानी सिंह
जन्म तिथि	:	तेरह अक्टूबर उन्नीस सौ छप्पन (13.10.1956)
स्थाई पता	:	अस्पताल टोली, बुण्डू, राँची (झारखण्ड)
शिक्षा	:	इंटरमीडिएट (आई.ए.)
रचना विधा	:	कहानी, कविता, नाटक, उपन्यास, निबंध (पंचपरगनिया)।
प्रकाशन	:	मैट्रीक से लेकर पी. जी. तक की पुस्तकों में निबंध, लेख, कहानी, कविता इत्यादि । विभिन्न पत्रिकाओं में भी रचनाएं प्रकाशित ।
कृत्तियाँ	:	1). इंजत (पंचपरगनियां उपन्यास) - 2012 2). नावा सोंच (पंचपरगनिया काइब) - 2012 3). चेंग मुड़ी कानि (पंचपरगनिया नाटक) - 2017 4). सिबुबारात (पंचपरगनिया महाकाइब) - 2026 5): पंचपरगनिया सुर-लिपि प्रेस
संगीत विधा	:	पंचपरगनिया लोक संगीत एवं आधुनिक काव्य को आकाशवाणी के माध्यम से प्रसारण करना तथा लोगों में पारम्परिकता को बनाए रखना। लोकसाहित्य और लोक संस्कृति के उत्थान के लिए पंचपरगनिया साहित्य और संगीत के सृजनात्मक कार्य में समर्पित रहे। साथ ही पंचपरंगनिया के पारंपरिक लोकगीतों के स्वरों को सुरक्षित रखने के लिए उनको सही स्वर लिपिबद्ध किया।

PUBLISHER :-

Jharkhand Jharokha

Shop No. D.G. 03, New building, New Market
Ratu Road, Ranchi (Jharkhand),Pin-834001
Mob. - 09973112040, 07979711886
E-mail : jh.jharokharnc@gmail.com

ISBN : 978-93-94279-68-1